Dr.pragya kumari
Asst.prof.
Dept.of psychology
H.D.Jain college Ara

Scanned with CamScanner

Differences between STM & LTM

STM & LTM में कुछ समानताओं के बावजूद इसमें कुछ भिन्नतायें भी हैं जो निम्नांकित हैं —

1. समयकाल (Duration) STM की अपेक्षा LTM का Duration अधिक लम्बा होता है। STM अधिक से अधिक 40 min. ही ठहर पाती है जबकि LTM life time तक ठहर सकती है। LTM की कुछ सूचनायें वर्षों तक ठहरती हैं और कुछ जीवन के अंतिम क्षणों तक।

2. कूटबद्ध (coding) STM की सूचनायें कूटबद्ध नहीं होती हैं वे असंगठित एवं अव्यवस्थित होती हैं। इसी कारण वो शीघ्र ही समाप्त हो जाती हैं। दूसरी ओर LTM की सूचनायें कूटबद्ध एवं व्यवस्थित होती हैं तथा इसकी सामग्री सुसज्जित एवं व्यवस्थित रहती हैं।

3. रिहर्सल (Rehearsal) STM में Rehearsal का अवसर नहीं मिलता है इसी कारण सूचनायें कूटबद्ध नहीं हो पाती हैं और —

Scanned with CamScanner

STM से निकल जाती है। दूसरी ओर LTM में रिहर्सल का पूरा अवसर मिलता है। इसलिए सूचनायें छटकर होकर अपेक्षाकृत स्थायी बन जाती है।

4 चंचलता (Fluctuation) STM में चंचलता पायी जाती है। एक सूचना STM में आती है तो दूसरी सूचना निकल जाती है परन्तु LTM में यह चंचलता नहीं पायी जाती है।

5 विघटन (Disruption) STM में disruption की संभावना जितनी अधिक होती है LTM में उतनी ही कम होती है। STM की सामग्री अव्यवस्थित तथा असंगठित होती है। इसलिए इस पर interference का प्रभाव बहुत जल्दी पड़ता है। Brown के अनुसार सामग्री की मात्रा अधिक होने पर हल्की बाधा भी विघटन उत्पन्न कर सकती है। लेकिन LTM में विघटन का खतरा कम होता है, क्योंकि यहाँ सामग्री छटकर, संगठित एवं व्यवस्थित होती है।

Scanned with CamScanner

6. प्राथमिक एवं अनुषंगी स्मरण
(Primary memory and Secondary memory)

STM वास्तव में प्राथमिक स्मरण है जबकि LTM अनुषंगी स्मरण है। STM को Short term Store तथा LTM को Long Term Store भी कहते हैं, संवेदी सूचनायें पहले STM में जाती हैं और उनमें से कुछ सूचनायें निकल जाती हैं और कुछ कूटबद्ध होकर LTM के या भंडार के घटक बन जाते हैं। सूचनाओं के coding का आधार Rehearsal process है। इत्यादि।